Result Mitra Daily Magazine

U-Win डिजिटल प्लेटफार्म क्या है और यह कैसे काम करता है

❖ यू-विन (U-Win) क्या है ?

- यू-विन (U-Win) भारत के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP,Universal immunization Programme) के तहत जारी किया गया एक डिजिटल प्लेटफार्म हैं।
- सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का हिस्सा है।
- केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 31 जनवरी 2023 को यू-विन प्लेटफार्म लांच किया गया था।
- प्रायोगिक रूप से इस डिजिटल प्लेटफार्म की शुरूआत प्रत्येक राज्य एवं केन्द्रशासित प्रदेश के दो-दो जिले (कुल 65 जिलों) में किया गया था।
- यू-विन (U-Win) सार्वजनिक टीकाकरण के अन्तर्गत आने वाली विश्व की सबसे बडी स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक है।

❖ उद्देश्य

- यू-विन (U-Win) डिजिटल प्लेटफार्म का उद्देश्य सभी गर्भवती महिलाओं और बच्चों को निःशुल्क टीकाकरण उपलब्ध कराना है।
- इस डिजिटल प्लेटफार्म के अन्तर्गत कुल 12 बीमारियों के लिये टीकाकरण उपलब्ध है।
- इस डिजिटल प्लेटफार्म के तहत कुल 11 राष्ट्रीय स्तर की बीमारियों के खिलाफ टीकाकरण एवं एक उप-राष्ट्रीय स्तर की बीमारी "जापानी इंसेफेलाइटिस" के विरूद्ध टीकाकरण उपलब्ध कराया जाता है।
- यू-विन प्लेटफार्म के तहत आने वाली 11 राष्ट्रीय स्तर की बीमारी निम्न है-

- डिप्थीरिया
- पर्टुसिस
- टिटनेस
- पोलियो
- खसरा
- रूबेला
- गंभीर बाल क्षय रोग

- रोटा वायरस डायरिया
- हेपेटाइटस-बी
- मेनिनजाइटिस
- न्यूमोकोकल निमोनिया

❖ यू-विन (U-Win) कैसे काम करता है ?

- यू-विन (U-Win) डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से छः वर्ष तक के आयु के बच्चों और गर्भवती माताओं का सरकारी पहचान पत्र (जैसे आधार) के माध्यम से उनके मोबाइल नम्बर का उपयोग करके पंजीकृत किया जाता है।
- इस यू-विन डिजिटल प्लेटफार्म पर पंजीकरण के बाद छः वर्षों तक के बच्चे को दिए गए सभी 25 शॉर्टस (टीका) एवं गर्भवती माताओं को दिए गए दो शॉर्टस (टीका) का सभी रिकार्ड दर्ज हो जाता है।
- यह यू-विन डिजिटल प्लेटफार्म एक चेकर टीकाकरण प्रमाण-पत्र तैयार करता है जो सभी टीकों को रंग-कोड (Colour-code) के माध्यम से दर्शाता है।
- चेकर टीकाकरण प्रमाण-पत्र प्रत्येक टीकाकरण के बाद उसके अगले टीकाकरण की नियत तिथि को भी दर्शाती है।
- यू-विन प्लेटफार्म माता-पिता के पंजीकृत कराए गए मोबाइल नंबर पर अगली टीका की खुराक लगने से पहले SMS द्वारा संदेश भी भेजता है।
- इस यू-विन (U-Win) डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से माता-पिता अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर का उपयोग करके "डिजिटल वैक्सिन प्रमाण-पत्र" भी डाउनलोड कर सकता है।
- यह "डिजिटल वैक्सिन प्रमाण-पत्र" किसी को देश में कहीं भी टीका लगवाने की अनुमति देता है।
- यू-विन प्लेटफार्म का उपयोग निकटतम टीकाकरण केन्द्र का पता लगाने के साथ उपलब्ध टीका को बुक कराने में भी मदद करता है।
- यू-विन डिजिटल प्लेटफार्म शिशुओं को जन्म के समय दी जाने वाली पोलियो, हेपिटाइटिस बी और तपेदिक जैसे तीन टीकों के साथ बच्चे के जन्म के समय वनज और जन्म के समय देखी गई किसी भी प्रकार की शारीरिक विकृति को भी पंजीकृत करता है।
- यू-विन डिजिटल प्लेटफार्म पर उपलब्ध इन डेटाओं का उपयोग सरकार द्वारा संचालित अन्य सरकारी कार्यक्रमों के साथ-साथ सभी डेटा रिकार्ड को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (ABHA) के माध्यम से जोडने के लिये किया जाता है।
- यू-विन डिजिटल प्लेटफार्म को सरकार के मौजूदा ईवीआईएन (evin) प्लेटफार्म से भी जोडा जाएगा।

Result Mitra TM

- evin बडे वैक्सिन केन्द्रीय भंडार से लेकर प्रत्येक टीकाकरण स्थलों की वैक्सिन शीशियों को ट्रेक करता है।
- evin इसके अलावा उपयोग की गई खुराकों की संख्या, बर्बाद हो जाने वाली खुराकों की संख्या एवं वापस जमा की गई खुली शीशियों की संख्या पर भी नजर रखता है।
- evin इसके अलावा प्रत्येक फ्रीजर से जुडे सेंसर का वास्तविक समय में उपयोग करके खुराकों के शीशियों के तापमान और आर्द्रता पर भी नजर रखता है।

❖ आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (ABHA)

- आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (ABHA, AYUSHMAN BHARAT HEALTH ACCOUNT) आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का एक अभिन्न अंग है।
- ABHA को आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत कैशलेस लेनदेन की सुविधा के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित सभी वित्तीय पहलुओं का प्रबंधन करने के लिये डिजाइन किया गया है।
- ABHA का उपयोग किसी व्यक्ति के सभी स्वास्थ्य रिकार्ड को जोडने के साथ-साथ एक डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थतिकी तंत्र को बढाने के लिये किया जाता है।
- कोई भी व्यक्ति निःशुल्क ABHA खाता बनाने के लिये आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) में पंजीकरण कर सकता है।
- 14 अंकों वाली विशिष्ट ABHA देश भर में विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिये एक व्यक्ति की विशिष्ट पहचान संबंधी कार्य करता है।

❖ भारत में टीका संबंधी आंकडे :-

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और यूनिसेफ (UNICEF) द्वारा हाल ही में जारी आंकडे के अनुसार भारत में वर्ष 2023 में 93 प्रतिशत बच्चों को पहली टीका खुराक मिली वहीं लगभग 16 लाख बच्चों की संख्या ऐसी थी जिन्हें कोई पहली टीका खुराक नहीं मिली।
- भारत में डिप्थीरिया, पर्टुसिस और टिटनेस (DPT) टीकों को पहली खुराक के रूप में रखा जाता है।
- WHO और UNICEF की आंकडों के अनुसार वर्ष 2022 में पाँच राज्यों बिहार, गुजरात, झारखंड, हरियाणा और महाराष्ट्र में "खसरे" की घटनाओं में तेजी से वृद्धि की गई है।

Result Mitra